Pedagogy of School Subject: Hindi

Contact Hours: 60 **Marks: 100**

Credits: 4

उद्देश:

इस पदवी को ग्रहण करने के बाद विद्यार्थी शिक्षक इस उद्देश्य को पाने के लिए योग्य बन जायेंगे ।

1. **भाषा के अलग अलग भूमिकाओं के जानकारी कि दक्षता ।**
2. **भाषा के स्वरूप और व्यवस्था को समझने कि दक्षता ।**
3. **भाषा और साहित्य के सम्बंध को जानने कि दक्षता ।**
4. **भाषा के मूल्यांकन की प्रक्रिया को जानने की दक्षता ।**
5. **विद्यार्थी और अध्यापक हिंदी भाषा के विकास प्रक्रिया प्रति जागरूक करना ।**
6. **विद्यार्थी और अध्यापक हिंदी भाषा के उद्देश्य और सिद्धांतों के बारे में जागरूक बनने कि दक्षता ।**
7. **विद्यार्थी और अध्यापक हिंदी भाषा के अध्यापन कि विधियों के बारे में जागरूक बनने कि दक्षता ।**

<u>इकाई -1</u>: भाषा का अर्थ प्रकृति एवं महत्व :(Language meaning, Nature, importance)

1.1 भाषा : अर्थ एवं परिभाषा, उत्पत्ति , भाषा की प्रकृति और भाषा का महत्व ।

1.2 त्रिभाषासूत्र और हिन्दी मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा, विदेशी भाषा के रूप में हिंदी ।

1.3 मातृभाषा के रूप में हिंदी शिक्षण के उद्देश्य, द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण के उद्देश्य व्यावहारिक उद्देश्य, सांस्कृतिक उद्देश्य साहित्यक उद्देश्य और भाषिक उद्देश्य ।

1.4 **भाषा का स्थिति संविधान की धारा (३४३-३५१-३५०) कोठारी शिक्षण कमीशन (२९६४-६६) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (१९८६), राष्ट्रीय – पाठय - चर्चा -२००५।**

1.5 हिंदी भाषा का इतिहास: प्राचीन, माध्यमिक और आधुनिक।

1.6 हिंदी भाषा की स्थिति और भूमिका स्वतंत्र के पहले और स्वतंत्र के बाद हिंदी ; हिंदी के विविध रूप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी; हिंदी पढ़ने - पढ़ाने की चुनौतियां ।

इकाई -2 भाषा कौशलों का शिक्षण : (Teaching of language skills)

2.1 श्रवण कौशल : श्रवण कौशल का महत्व , उद्देश्य विधियाँ श्रवण कौशल में ध्यान देने योग्यबातें मूल्यांकन।

2.2 भाषण कौशल : भाषण कौशल का महत्व , उद्देश्य विधियाँ ,भाषण कौशल में ध्यान देने योग्यबातें मूल्यांकन ।

2.3 वाचनकौशल : वाचण कौशल का महत्त्व उद्देश वाचन के प्रकार विधिया वाचन सम्बंधित तृटिया और सुधाये ।

2.4 लेखनकौशल : लेखन कौशल का महत्व और उपयोग उद्देश्य विधियाँ लेखन के प्रकार प्रतिलेख और श्रुत लेख में अंतर लिखना सिखाने में ध्यान देने योग्यबातें और मूल्यांकन।

2.5 हिंदी अध्यापक और उनका सामर्थ्य : हिंदी अध्यापक की आवश्यकता एवं महत्व; सामान्य और विशिष्ट गुण, कर्तव्य, हिंदी शिक्षकों की वर्तमानस्थिति, हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास का समपक ज्ञान प्राचीन और आधुनिक साहित्य मार्ग का परिचय हिंदी पदों का समर्थक ज्ञान, प्रयोगशीलता , सृजनशीलता अपने काम पर आसक्ति।

2.6 हिंदी अध्यापक के आनुपातिक विकास के तंत्र: शैक्षणिक योग्यता, हिन्दी शिक्षक सामर्थ्य, मधुर ध्वनि, सेवा पूर्व और सेवांतरा परीक्षण। आनुपातिक विकास हिंदी साहित्य में रुचि, हिन्दी साहित्यिक कार्यागार में अभिरुचियां आधुनिक उपकरणों का सदुपयोग करने का रूचि ।

इकाई – 3 पाठ योजना और शिक्षण विधियां

3.1 पाठ योजना का अर्थ, महत्व, और रूप हिंदी पाठ योजना के लक्षण, गद्य कविता और व्याकरण पाठ सम्बंधित पाठ योजना।

3.2 घटक योजना : अर्थ महत्व और रूप।

3.3 सम्पनमूल पाठ योजना : अर्थ महत्व और रूप।

3.4 शिक्षण विधियां: गद्य शिक्षण महत्व उद्देश्य सामान्य और निर्दिष्ट आधुनिक और साम्प्रदायिक विधान।

3.5 कविता का रसास्वादन : महत्व, उद्देश्य, सामान्य और निर्दिष्ट आधुनिक और सांप्रदायिक विधान ।

3.6 व्याकरण शिक्षण : महत्व उद्देश्य सामान्य और निर्दिष्ट आधुनिक और सांप्रदायिक विधान।

इकाई - 4 बोधना सामग्री और मौल्यमापन।

4.1 हिंदी बोधना सामाग्री : उपकरणों का महत्व विविध रूप उनके उपयोग यांत्रिक एवं अयांत्रिक उपकरण ।

4.2 दृश्य और श्रवण सामग्री।

4.3 गणक यंत्र आधारित बोधना सामग्री ।

4.4 हिन्दी भाषा मूल्यांकन : अर्थ एवं परिभाषाएँ उद्देश्य, महत्व, सोपान, मूल्यांकन का विधा।ये हिंदी भाषा मूल्यांकन के लिए उपकरण।

4.5 अध्याय परीक्षा और नैदानिक परीक्षा।

4.6 हिंदी भाषाभ्यास के सूचनात्मक सामग्री पत्रिकाये, अध्यापक द्वारा रचित हिंदी भाषाभ्यास के सूचनात्मक सामग्री, हिंदी भाषा सीखने, और सिखाने के लिए पत्रिका।

अभ्यास प्रक्रिया

1. ८, ९, कक्षा के पाठ पुस्तकों का समीक्षाण ।
2. सम्पन्नमुल सामग्रियों का उपयोग ।
3. घटक योजना का प्रसंस्करण ।
4. क्रिया संशोधन ।
5. गणक यंत्रा आधारित बहु माध्यम बोधना सामग्री ।
6. लेखक या कवि पर आधारित एक अध्ययन ।
7. भाषायी कौशल का विकासि सामग्री की तैयारी ।
8. हिंदी वाचन भाषाई कौशल का सामान्य दोष और सुधार कार्यक्रम ।
9. हिंदी पठन भाषाई कौशल का सामान्य दोष और सुधार कार्यक्रम ।
10. हिंदी लेखन भाषाई कौशल का सामान्य दोष और सुधार कार्यक्रम ।

आधार ग्रंथ:

1. दिनेश चंद्र भारद्वाज - हिंदी भाषा शिक्षण विनोद पुस्तक मंदिर आगरा ।
2. हिंदी शिक्षण - राजा हंसा प्रकाशन जयपुर ।
3. नूतन हिंदी शिक्षण - प्रो सत गिर कर्नाटक ।
4. हिंदी शिक्षण - संजीव पब्लिकेशन जयपुर ३ १९९८ ।
5. डॉक्टर के गोपालन मानक हिंदी व्याकरण और रचना - राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद ।
6. विजय सुद हिंदी शिक्षण विधियां - टंडन पब्लिकेशन लुधियाना ।
7. प्रतिभा नीमा हिंदी व्याकरण तथा रचना - नीता प्रकाशना १९९५ ।
8. भाई योगेन्द्र जित एवं अन्य बाई योगेन्द्र जीत शिक्षा सिद्धांत की रूप रेखा - विनोद पुस्तक दिरआगारा ।
9. सफल शिक्षण कला - पीडी पाठक विनोद प्रकाशन आगरा ।
10. शिक्षा के सिद्धांत - पीडी पाठक टाटा त्यागी विनोद पुस्तक मंदिर आगरा ।
11. शिक्षण की विधिया १, २, और पाठ योजना डॉक्टर लक्ष्मी नारायण शर्मा विनोद पुस्तक मंदिर आगरा ।
12. भाषा शिक्षक प्रविधि - किशोरी लाल शर्मा, मेहरा उमा एंड कंपनी आगरा ।
13. हिंदी शिक्षण केशव प्रसाद धनपन राय एंड संस दिल्ली ।
14. भारत में मातृ भाषा शिक्षण के लिए सुझाव राय बर्न ऑक्सफर्ड ।
15. अध्यापन कला - सीताराम चतुर्वेदी नन्दा किशोर एंड संस वाराणसी ।
16. हिंदी भाषाशिक्षण - भाईयोगेन्द्रजीत विनोद पुस्तक मंदिर आगरा ।
17. हिन्दी व्याकरण कामिथा, प्रसादगुरु विनोद पुस्तक मंदिर आगरा ।

18. **Bhai.Y (1978) Hindi Bhasashikshan. Vinod Pustak Mandir,Agra.**
19. **Bhasa Vishesshank Patrick (1980) Department of Educaion, Rajasthan,Bikaner Chaturvedi, V.S (1999) Adhapan Kala.Varanasi:Gopinath Bharga Nanda Kishor and Sons.Jha.L (1940) Bhasha Shikshan Paddhbati. Allahabad: NG.Saigal.U.P.Press**
20. **John.D(1953)The Study of Languages.Hardward University Press.**
21. **Keshava Prasad(1984)Hindi Shikshana.Delhi: Dhanpatrai and Sons**
22. **Kothari Commission Report(1968)Govt of India,New Delhi**
23. **Narang and Bhatia(1987)-Hindi Shikshan Vidhi Ludhiana: Prakash Brothers.**
24. **Niraj Kumar Sinha(1990)Madhyamik-Vidyalayome Hindi Shiksha Jaipur: Hindi Grantha Academy**
25. **Robert.L(1964)Language Teaching: Ateacher's Book.NEWYORK: Megrewttill.**
26. **Rubury.W.M.(1950) The Teaching of the Mother Tongue,Madras.Oxford University Press**
27. **Sattigeri.K.I (1997) Nutan Hindi Shikshan Vidhi,Ludhiana:Prakash Brothers.**
28. **Srivastava.B.D(1968) The Structural Approach to the Teaching of English.**
29. **Agsa:Ramprasad and Sons**
30. **Sughandhi.V Deepak (2004)Hindi Shikha Pranali.Ilkal: Neha Prakashan,Karnataka**
31. **Sughandhi.V(2003) Hindi Adhyapan.Kolhapur,Creative Publishers Syndhya Mukarji (1989) Hindi Bhasha Shikshan.Luknow:Prakashan Kendra.Uttara Pradesh.**